नेताजी का चश्मा

Question 1.
हालदार साहब के चेहरे पर कौतुकभरी मुस्कान क्यों फैल गई ?
(a) नेताजी की मूर्ति को देखकर
(b) पान वाले को देखकर
(c) नेताजी के चेहरे पर काले फ्रेम के सचमुच के चश्मे को देखकर
(d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (c) नेताजी के चेहरे पर काले फ्रेम के सचमुच के चश्मे को देखकर
नेताजी के चेहरे पर सचमुच का फ्रेम देखकर।

Question 2.
हालदार साहब की क्या आदत थी ?
(a) हालदार साहब जब भी इस कस्बे से गुजरते तो वे नेताजी की मूर्ति वाले चौराहे पर रुककर पान खाते थे
(b) हालदार साहब को पान वाले से मिलना अच्छा लगता था
(c) हालदार साहब नेताजी की मूर्ति को चश्मा पहना देते थे
(d) हालदार साहब पान वाले से मज़ाक अवश्य करते थे

▼ Answer

Answer: (a) हालदार साहब जब भी इस कस्बे से गुजरते तो वे नेताजी की मूर्ति वाले चौराहे पर रुककर पान खाते थे
हालदार साहब मूर्ति वाले चौराहे पर पान अवश्य खाते थे।

Question 3.
कैप्टन चश्मेवाला अपने गिने-चुने फ्रेमों में से एक फ्रेम नेताजी की मूर्ति को क्यों पहनाता था ?
(a) कैप्टन को नेताजी की बिना चश्मे वाली मूर्ति आहत करती थी
(b) उसको लगता था कि यह देशभक्तों का अनादर है
(c) वह नेताजी को असली रूप में देखना चाहता था
(d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं
सभी कथन सत्य हैं।

Question 4.
हालदार साहब को पान वाले की क्या बात अच्छी नहीं लगी ?
(a) नेताजी का मज़ाक उड़ाना
(b) चश्मे वाले कैप्टन को पागल कहना
(c) तौंद हिलाकर हँसना
(d) बिना वजह बोलना

▼ Answer

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer: (b) चश्मे वाले कैप्टन को पागल कहना।

Question 5.
कैप्टन को देखकर हालदार साहब अवाक् क्यों रह गए ?
(a) कैप्टन का व्यक्तित्व आकर्षित करने वाला था
(b) कैप्टन सचमुच का कैप्टन था
(c) कैप्टन बूढ़ा, मरियल तथा लंगड़ा आदमी था
(d) कैप्टन बहुत बहादुर था

▼ Answer

Answer: (c) कैप्टन बूढ़ा, मरियल तथा लंगड़ा आदमी था
कैप्टन बूढ़ा, लंगड़ा तथा मरियल आदमी था।

Question 6.
कैप्टन क्या कार्य करता था ?
(a) वह फेरी लगाकर चश्मे बेचता था
(b) वह फौजियों को ट्रेनिंग देता था
(c) वह एक विद्यालय में शिक्षक था
(d) वह खेती का कार्य करता था

▼ Answer

Answer: (a) वह फेरी लगाकर चश्मे बेचता था
कैप्टन फेरी लगाकर चश्मे बेचता था।

Question 7.
हालदार साहब क्या सुनकर मायूस हो गए थे ?
(a) नेताजी की चश्माविहीन मूर्ति की बात सुनकर
(b) कैप्टन की मृत्यु का समाचार सुनकर
(c) लोगों में देशभक्ति की भावना की कमी देखकर
(d) 'a' और 'b' कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (b) कैप्टन की मृत्यु का समाचार सुनकर।

Question 8.
'नेताजी का चश्मा' कहानी हममें किस भावना को जगाती है ?
(a) व्यक्ति पूजा
(b) देशभक्ति की भावना
(c) परिश्रम की भावना
(d) परोपकार की भावना

▼ Answer

Answer: (b) देश-भक्ति की भावना।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 9.
कहानीकार स्वयं प्रकाश जी का जन्म कब और कहाँ हुआ ?
(a) सन् 1947 में इंदौर, मध्य प्रदेश में
(b) सन् 1948 में जबलपुर, मध्य प्रदेश में
(c) सन् 1947 में भोपाल, मध्य प्रदेश में
(d) सन् 1948 में कटनी, मध्य प्रदेश में

▼ Answer

Answer: (a) सन् 1947 में इंदौर, मध्य प्रदेश में
सन् 1947 में इंदौर में।

Question 10.
निम्नलिखित में से कौन-सी रचना स्वयं प्रकाश जी की नहीं है ?
(a) सूरज कब निकलेगा
(b) आएँगे अच्छे दिन
(c) चिता के फूल
(d) संसाधन

▼ Answer

Answer: (c) चिता के फूल
'चिता के फूल' बेनीपुरी की रचना है।

Question 11.
'नेताजी का चश्मा' पाठ किस महान व्यक्ति के बारे में है ?
(a) पं. जवाहरलाल नेहरू
(b) महात्मा गाँधी
(c) बाल गंगाधर तिलक
(d) सुभाष चंद्र बोस

▼ Answer

Answer: (d) सुभाष चंद्र बोस
नेताजी सुभाषचंद्र बोस के।

Question 12.
'नेताजी का चश्मा' पाठ में किस बात को उठाया गया है ?
(a) विलुप्त होती देश-भक्ति की भावना को
(b) बढ़ती महँगाई
(c) राजनीति में बढ़ता भ्रष्टाचार
(d) भ्रष्ट राजतंत्र

▼ Answer

Answer: (a) विलुप्त होती देश-भक्ति की भावना को
विलुप्त होती देशभक्ति की भावना।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 13.
नगर पालिका को मूर्ति बनवाने में देरी क्यों हो रही थी ?
(a) उनके पास पैसा कम था
(b) उनको अच्छे मूर्तिकार की जानकारी नहीं थी
(c) नगर पालिका में आपस में फूट थी
(d) वे उस पैसे को मिल-बाँटकर खाना चाहते थे

▼ Answer

Answer: (b) उनको अच्छे मूर्तिकार की जानकारी नहीं थी।

Question 14.
मूर्ति बनाने का कार्य किसको सौंपा गया ?
(a) एक प्रसिद्ध मूर्तिकार को
(b) कस्बे के हाईस्कूल के ड्राइंग मास्टर को
(c) कस्बे के एक चित्रकार को
(d) स्थानीय बढ़ई मिस्त्री को

▼ Answer

Answer: (b) कस्बे के हाईस्कूल के ड्राइंग मास्टर को।

Question 15.
मोतीलाल जी ने नगर पालिका के बोर्ड को क्या विश्वास दिलाया ?
(a) मैं बहुत अच्छा मूर्तिकार हूँ
(b) मुझसे अच्छी मूर्ति कोई नहीं बना सकता
(c) मैं नेताजी की मूर्ति एक माह में बना दूंगा
(d) मैं इस मूर्ति को कम लागत में तैयार कर दूंगा

▼ Answer

Answer: (c) मैं नेताजी की मूर्ति एक माह में बना दूंगा।

Question 16.
मूर्ति को देखने पर क्या बात सबसे ज्यादा खटकती थी ?
(a) मूर्ति की आँखों पर संगमरमर का चश्मा न होना
(b) नेताजी का फौजी वर्दी में न होना
(c) मूर्ति का सुंदर न होना
(d) इनमें से कोई नहीं

▼ Answer

Answer: (a) मूर्ति की आँखों पर संगमरमर का चश्मा न होना।

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

हालदार साहब को हर पंद्रहवें दिन कंपनी के काम के सिलसिले में उस कस्बे से गुज़रना पड़ता था। कस्बा बहुत बड़ा नहीं था। जिसे पक्का मकान कहा जा सके वैसे कुछ ही मकान और जिसे बाज़ार कहा जा सके वैसा एक ही बाज़ार था। कस्बे में एक लड़कों का स्कूल, एक लड़कियों का स्कूल, एक सीमेंट का छोटा-सा कारखाना, दो ओपन एयर सिनेमाघर और एक ठो नगर पालिका भी थी। नगर पालिका थी तो कुछ-न-कुछ करती भी रहती थी। कभी कोई सड़क पक्की करवा दी, कभी कुछ पेशाबघर बनवा दिए, कभी कबूतरों की छतरी बनवा दी तो कभी कवि सम्मेलन करवा दिए। इसी नगर पलिका के किसी उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने एक बार 'शहर' के मुख्य बाज़ार के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी।

Question 1.
कंपनी के काम के सिलसिले में कस्बे से कौन गुजरते थे ?
(a) हवलदार साहब
(b) जेलदार साहब
(c) हालदार साहब
(d) जमादार साहब

▼ Answer

Answer: (c) हालदार साहब
कस्बे से हालदार साहब गुजरते थे।

Question 2.
जिस कस्बे से हालदार साहब गुजरते थे वह कैसा था ?
(a) बहुत बड़ा
(b) बहुत छोटा
(c) महानगर जितना
(d) बहुत बड़ा नहीं था

▼ Answer

Answer: (d) बहुत बड़ा नहीं था
कस्बा बहुत बड़ा नहीं था।

Question 3.
'एक ठो' का क्या अर्थ है ?
(a) एक अदद
(b) एक स्थान
(c) एक नगर
(d) किसी वस्तु का नाम

▼ Answer

Answer: (a) एक अदद
एक अदद (एक इकाई)।

Question 4.
चौराहे पर किस नेता की मूर्ति लगवाई गई ?
(a) महात्मा गाँधी
(b) सुभाष चंद्र बोस

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(c) सरदार पटेल
(d) पं. जवाहरलाल नेहरू

▼ Answer

Answer: (b) सुभाष चंद्र बोस
सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति लगवाई गई।

Question 5.
उस कस्बे में किस चीज़ का कारखाना था ?
(a) वस्त्र-बुनाई
(b) इस्पात कारखाना
(c) खाद कारखाना
(d) सीमेंट कारखाना

▼ Answer

Answer: (d) सीमेंट कारखाना।

---

(2)

जैसा कि कहा जा चुका है, मूर्ति संगमरमर की थी। टोपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक कोई दो फुट ऊँची। जिसे कहते हैं बस्ट । और सुंदर थी। नेताजी सुंदर लग रहे थे। कुछ-कुछ मासूम और कमसिन । फौजी वर्दी में। मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो.....' वगैरह याद आने लगते थे। इस दृष्टि से यह सफ़ल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज़ की कसर थी जो देखते ही खटकती थी। नेताजी की आँखों पर चश्मा नहीं। था। यानी चश्मा तो था, लेकिन संगमरमर का नहीं था। एक सामान्य और सचमुच के चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था। हालदार साहब जब पहली बार इस कस्बे से गुज़रे और चौराहे पर पान खाने रुके, तभी उन्होंने इसे लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुकभरी मुसकान फैल गई। वाह भई! यह आइडिया भी ठीक है। मूर्ति पत्थर की, लेकिन चश्मा रियल!

Question 1.
नेताजी की मूर्ति किसकी बनी हुई थी ?
(a) ताँबे की
(b) चाँदी की
(c) मिट्टी की
(d) संगमरमर की

▼ Answer

Answer: (d) संगमरमर की।

Question 2.
बस्ट किसे कहते हैं ?
(a) मूर्ति को कहते हैं
(b) पत्थर को कहते हैं
(c) छाती तक मूर्ति को कहते हैं
(d) आदमकद मूर्ति को कहते हैं

▼ Answer

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer: (c) छाती तक मूर्ति को कहते हैं।

Question 3.
नेताजी किस वेशभूषा में थे ?
(a) खादी कपड़ों में
(b) साधारण कपड़ों को
(c) फ़ौजी वर्दी में
(d) रेशमी वस्त्रों में

▼ Answer

Answer: (c) फौजी वर्दी में।

Question 4.
नेताजी का चश्मा कैसा था ?
(a) चौड़ा काला असली फ्रेम वाला
(b) संगमरमर का
(c) ताँबे से बना
(d) लकड़ी का बना

▼ Answer

Answer: (a) चौड़ा काला असली फ्रेम वाला।

Question 5.
हालदार साहब के चेहरे पर कैसी मुसकान फैल गई ?
(a) गम्भीर-मुसकान
(b) कौतुक-भरी
(c) शरारत-भरी
(d) दर्द-भरी

▼ Answer

Answer: (b) कौतुक-भरी।

---

(3)

हालदार साहब की आदत पड़ गई, हर बार कस्बे से गुजरते समय चौराहे पर रुकना, पान खाना और मूर्ति को ध्यान से देखना। एक बार जब कौतूहल दुर्दमनीय हो उठा तो पानवाले से ही पूछ लिया, क्यों भाई! क्या बात है ? यह तुम्हारे नेताजी का चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है ?
पानवाले के मुँह में खुद पान हुँसा हुआ था। वह एक काला मोटा और खुशमिज़ाज आदमी था। हालदार साहब का प्रश्न सुनकर वह आँखों-ही-आँखों में हँसा। उसकी तोंद थिरकी। पीछे घूमकर उसने दुकान के नीचे पान थूका और अपनी लाल-काली बत्तीसी दिखाकर बोला, कैप्टन चश्मेवाला करता है।

Question 1.
हालदार साहब को कैसी आदत पड़ गई थी ?
(a) चाय पीने की
(b) पान खाने की

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(c) मूर्ति की ओर देखने की
(d) उस कस्बे से गुज़रने की

▼ Answer

Answer: (b) पान खाने की
पान खाने की आदत पड़ गई थी।

Question 2.
'दुर्दमनीय' शब्द का अर्थ है .....।
(a) जिसे मुश्किल से दबाया जा सके
(b) बहुत बुरा
(c) दबा हुआ
(d) शोषण करने वाला

▼ Answer

Answer: (a) जिसे मुश्किल से दबाया जा सके।

Question 3.
हालदार साहब ने पानवाले से क्या प्रश्न किया ?
(a) तुम्हारा पान अब अच्छा नहीं रहा
(b) तुमने अच्छा पान बनाना किससे सीखा
(c) नेताजी का चश्मा किसने बनाया
(d) नेताजी का चश्मा हर बार कैसे बदल जाता है

▼ Answer

Answer: (d) नेताजी का चश्मा हर बार कैसे बदल जाता है।

Question 4.
पानवाला कैसा आदमी था ?
(a) बहुत क्रूर आदमी
(b) काला मोटा और खुशमिज़ाज
(c) मरियल-सा आदमी
(d) बहुत चतुर आदमी

▼ Answer

Answer: (b) काला मोटा और खुशमिज़ाज।

Question 5.
'लाल-लाल बत्तीसी' का क्या अर्थ है ?
(a) चूना-कत्था मिलने से बना रंग
(b) लाल रंग के बत्तीस दाँत
(c) क्रोधी स्वभाव वाला व्यक्ति
(d) सड़े-गले दाँत

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

▼ Answer

Answer: (b) लाल रंग के बत्तीस दाँत, जो पान खाने से लाल हो गए थे।

---

(4)

पानवाले के लिए यह एक मजेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित और द्रवित करने वाली। यानी वह ठीक ही सोच रहे थे। मूर्ति के नीचे लिखा 'मूर्तिकार मास्टर मोतीलाल' वाकई कस्बे का अध्यापक था। बेचारे ने महीने भर में मूर्ति बनाकर पटक देने का वादा कर दिया होगा। बना भी ली होगी लेकिन पत्थर में पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए-काँचवाला यह तय नहीं कर पाया होगा। या कोशिश की होगी और असफल रहा होगा। या । बनाते-बनाते 'कुछ और बारीकी' के चक्कर में चश्मा टूट गया होगा। या पत्थर का चश्मा अलग से बनाकर फिट किया होगा और वह निकल गया होगा। उफ़...!

Question 1.
पानवाले कि लिए जो मज़ेदार बात थी, वह हालदार साहब के लिए चकित कर देने वाली क्यों थी ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- मूर्ति स्कूल के ड्राइंग मास्टर ने बनाई होगी
- हालदार साहब मूर्ति को बिना चश्मे के देखकर जो सोच रहे थे, वह सत्य निकला।

Question 2.
मूर्ति बनाने वाला कौन था ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- कस्बे का अध्यापक।

Question 3.
मूर्तिकार कैसा रहा होगा ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- वह पेशेवर मूर्तिकार नहीं था
- वह पत्थर पर बारीक कार्य नहीं कर सकता था।

Question 4.
मूर्तिकार अपनी किस कोशिश में असफल रहा ?

▼ Answer

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:
संकेत-

- पत्थर का चश्मा बनाने की कोशिश में
- वह पत्थर पर बारीक कार्य नहीं कर सकता था।

Question 5.
'पारदर्शी' शब्द का अर्थ बताइए।

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- वह वस्तु जिसमें आर-पार देखा जा सके।

---

(5)

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लँगड़ा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टंगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं! फेरी लगाता है! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए। पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं? क्या यही इसका वास्तविक नाम है? लेकिन पान वाले ने साफ़ बता दिया था कि अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं। ड्राइवर भी बैचेन हो रहा था। काम भी था। हालदार साहब जीप में बैठकर चले गए।

Question 1.
हालदार साहब को क्या अच्छा नहीं लगा ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- पान वाले का व्यवहार
- पान वाले ने चश्मे वाले की देशभक्ति का मज़ाक उड़ाया था।

Question 2.
चश्मे वाला कैसा आदमी था ?

▼ Answer

Answer:
संकेत :

- बूढ़ा आदमी
- कमजोर एवं मरियल
- गाँधी टोपी पहनकर घूम-घूम कर चश्मे बेचने वाला।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 3.
चश्मे वाला किस प्रकार अपने चश्मे बेचता था ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- चश्मों को एक बाँस पर टाँगकर
- फेरी लगाकर गलियों में घूमते हुए।

Question 4.
हालदार साहब चक्कर में क्यों पड़ गए ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- चश्मे वाले का हुलिया देखकर
- लोग इसे कैप्टन आखिर क्यों कहते हैं
- क्या यही इसका वास्तविक नाम है।

Question 5.
हालदार साहब को चश्मे वाले के बारे में बिना जाने क्यों जाना पड़ा ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- पान वाला और जानकारी नहीं देना चाहता था
- हालदार साहब का ड्राइवर भी जल्दी में था।

---

(6)

बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी-जवानी-जिंदगी सब कुछ होम देने वालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढ़ती है। दुखी हो गए। पंद्रह दिन बाद फिर उसी कस्बे से गुजरे। कस्बे में घुसने से पहले ही खयाल आया कि कस्बे की हृदयस्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य ही प्रतिष्ठापित होगी, लेकिन सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा।....क्योंकि मास्टर बनाना भूल गया।....और कैप्टन मर गया। सोचा, आज वहाँ रुकेंगे नहीं, पान भी नहीं खाएँगे, मूर्ति की तरफ देखेंगे भी नहीं, सीधे निकल जाएँगे। ड्राइवर से कह दिया, चौराहे पर रुकना नहीं, आज बहुत काम है, पान आगे कहीं खा लेंगे।

Question 1.
हालदार साहब किस सोच में पड़ गए ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

- उन्हें पान वाले द्वारा एक देश-भक्त का मज़ाक उड़ाना अच्छा नहीं लगा
- वे सोचने लगे-यदि लोग देशभक्तों का मज़ाक उड़ाएँगे तो यह देश कैसे चलेगा
- लोग किस प्रकार देश को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

Question 2.
हालदार साहब का इस प्रकार सोचना कितना उचित था ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- हालदार साहब का इस प्रकार सोचना उचित था
- यदि हर नागरिक इतना सोचे तो बहुत अच्छा है
- देश के बारे में सोचना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

Question 3.
हालदार साहब ने इस बार कस्बे में न रुकने का निर्णय क्यों लिया था ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- क्योंकि कैप्टन चश्मेवाला मर गया था
- सुभाष की मूर्ति बिना चश्मे की होगी।

Question 4.
हालदार साहब ने अपने ड्राइवर से क्या कहा ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- आज चौराहे पर नहीं रुकना है
- आज बहुत काम है।

Question 5.
हालदार साहब की कैसी छवि उभरकर सामने आती है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- वे एक सच्चे देश-भक्त थे
- उनके मन मे शहीदों के प्रति सम्मान था
- वे किसी देश-भक्त का मज़ाक उड़ाना बहुत बुरा समझते थे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

बोधात्मक प्रश्न

Question 1.
मूर्ति में आँखों को खटकने वाली क्या बात दिखाई देती थी ?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- संगमरमर के चश्मे का न होना
- चश्मे का अलग से फ्रेम लगा होना।

Question 2.
'नेताजी का चश्मा' कहानी के कस्बे का वर्णन कीजिए।

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- कस्बा ज्यादा बड़ा नहीं था
- कुछ पक्के मकान थे
- छात्रों के लिए विद्यालय था
- कारखाना एवं सिनेमाघर भी था
- एक नगर पालिका भी थी।

Question 3.
हालदार साहब कैप्टन को देखकर चकित क्यों हुए ?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- कैप्टन चश्मेवाला एक मरियल-सा आदमी था
- वह फेरी लगाकर चश्मे बेचता था।

Question 4.
'नेताजी का चश्मा' पाठ हमें क्या संदेश देता है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- देशभक्ति की भावना हम छोटे-छोटे कार्यों के द्वारा भी प्रकट कर सकते हैं
- हमें अपने शहीदों का सम्मान करना चाहिए हमें किसी का मज़ाक नहीं उड़ाना चाहिए
- देश के शहीदों का सम्मान करना आम नागरिक का कर्तव्य है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 5.
बच्चों द्वारा नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाया जाना क्या दर्शाता है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- हमारी नई पीढ़ी में भी शहीदों के प्रति सम्मान है
- छोटा-सा कार्य करके भी हम देशभक्तों एवं शहीदों का सम्मान कर सकते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in